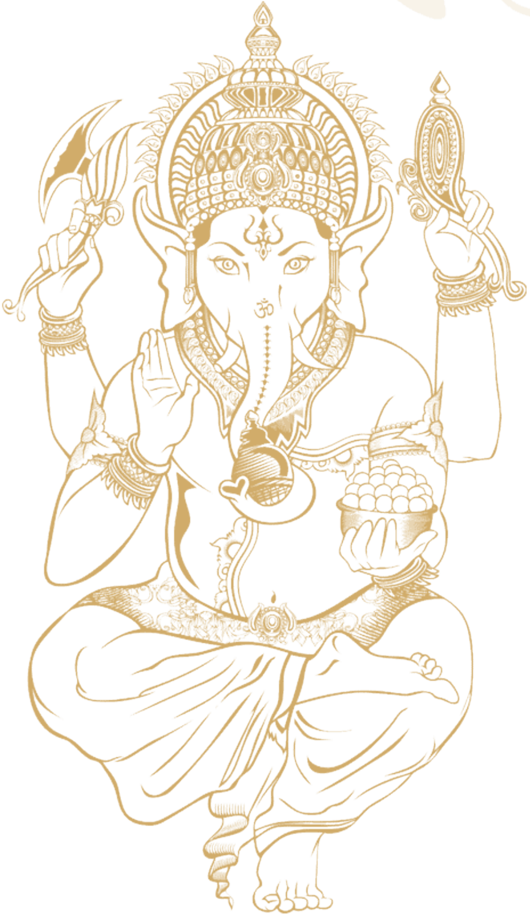

Model: Love-Horoscope

Order No: 121279701

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/07/1994	जन्म तिथि	15-16/06/1994
मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 18:20:00	जन्म समय	03:35:47 घंटे
घटी 32:25:16	जन्म समय(घटी)	56:03:56 घटी
Nepal	देश	Nepal
Kathmandu	स्थान	Kathmandu
27:05:00 उत्तर	अक्षांश	27:05:00 उत्तर
85:04:00 पूर्व	रेखांश	85:04:00 पूर्व
86:15:00 पूर्व	मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
घंटे -00:04:44	स्थानिक संस्कार	-00:04:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:53	सूर्योदय	05:10:12
19:00:06	सूर्यास्त	19:00:05
23:47:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:00
धनु	लग्न	वृष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
ज्येष्ठा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
बुध	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	2
ब्रह्म	योग	वज्र
बव	करण	वणिज
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	टा-टपकेश्वरी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	वनचर
मृग	योनि	मूषक
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 14वर्ष 0मा 11दि		23:32:30	धनु	लग्न	वृष	05:53:40	**शुक्र 11वर्ष 6मा 23दि**	
शुक्र		02:49:53	कर्क	सूर्य	मिथु	00:46:14	**मंगल**	
31/07/2015		18:59:41	वृश्चि	चंद्र	सिंह	18:57:27	**07/01/2022**	
31/07/2035		17:09:01	वृष	मंगल	मेष	23:13:56	**07/01/2029**	
शुक्र	30/11/2018	12:33:45	मिथु	बुध व	मिथु	14:15:33	मंगल	05/06/2022
सूर्य	30/11/2019	11:25:59	तुला	गुरु व	तुला	11:22:40	राहु	24/06/2023
चन्द्र	31/07/2021	15:29:23	सिंह	शुक्र	कर्क	06:55:27	गुरु	30/05/2024
मंगल	30/09/2022	18:03:25	कुंभ व	शनि	कुंभ	18:34:36	शनि	09/07/2025
राहु	30/09/2025	28:00:11	तुला व	राहु व	तुला	29:35:42	बुध	06/07/2026
गुरु	31/05/2028	28:00:11	मेष व	केतु व	मेष	29:35:42	केतु	02/12/2026
शनि	31/07/2031	00:29:00	मक व	हर्ष व	मक	01:45:09	शुक्र	01/02/2028
बुध	31/05/2034	28:02:48	धनु व	नेप व	धनु	28:55:02	सूर्य	08/06/2028
केतु	31/07/2035	01:34:27	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	02:08:46	चन्द्र	07/01/2029

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:47:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:00

लग्न-चलित

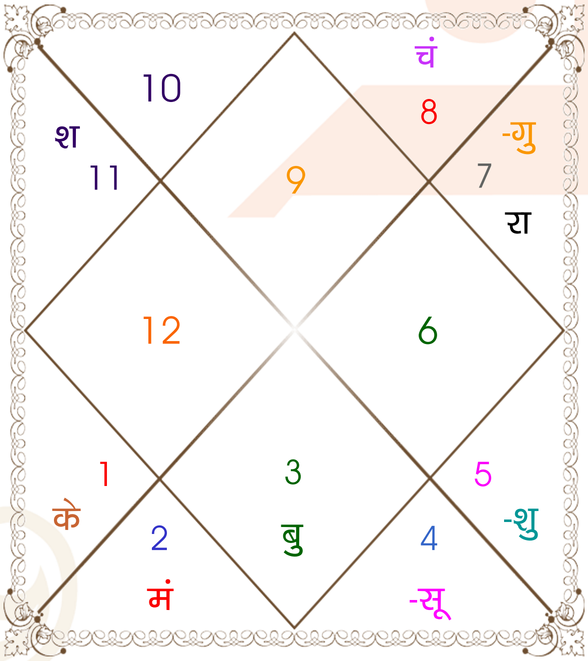

लग्न-चलित

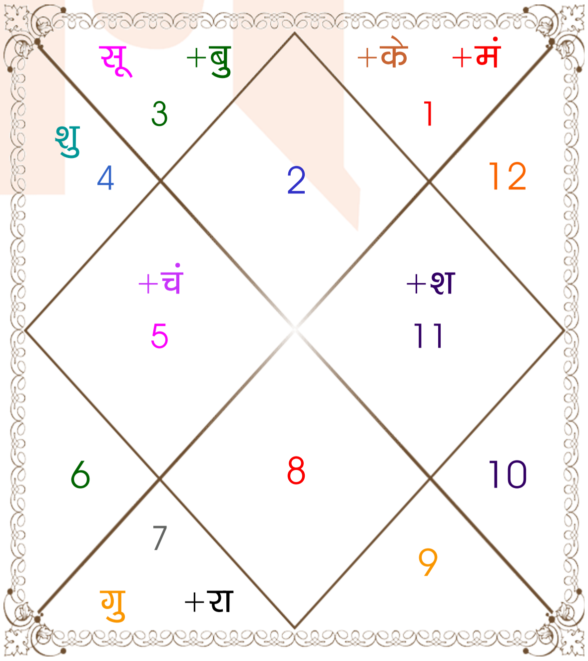

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

कुल : **24.5 / 36**

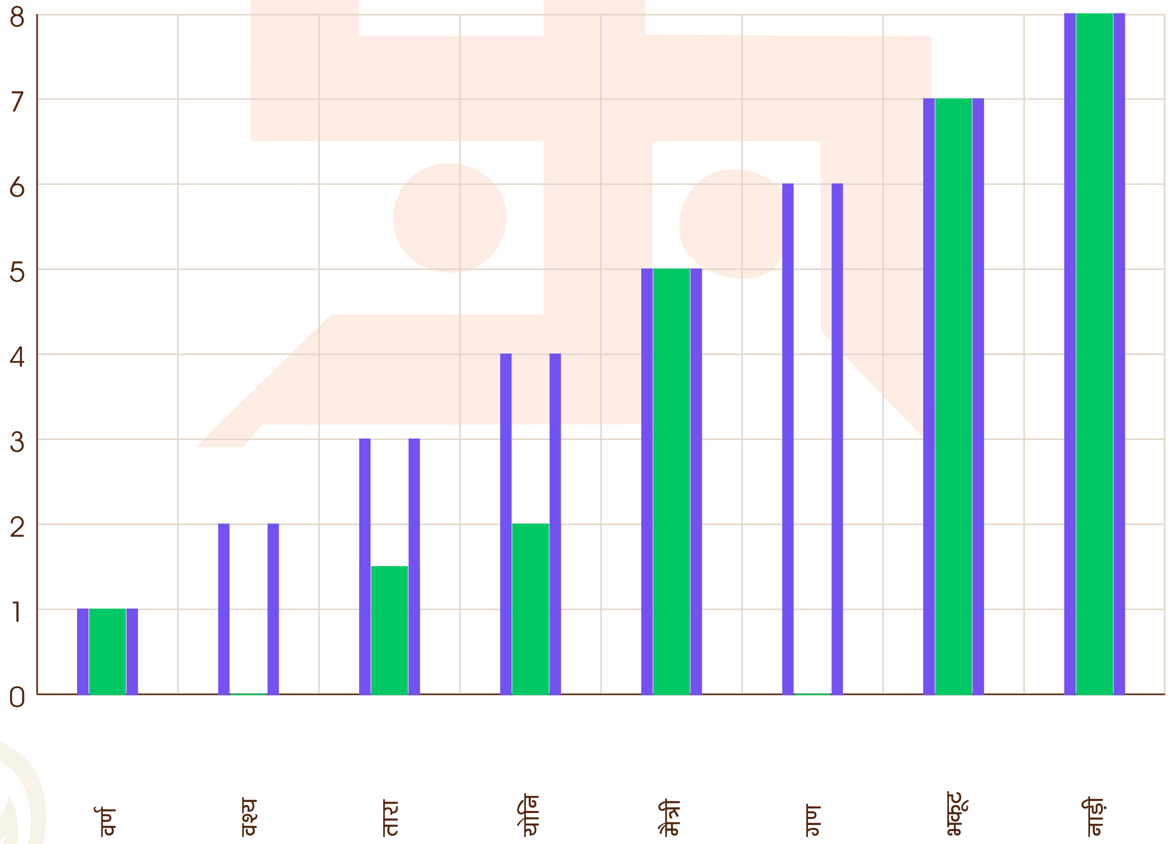

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढ़प्थ्;थ्ङम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Ms. में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Ms. आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Ms. सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Mr. का वश्य कीट है एवं Ms. का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान खराब मिलान है। कीट Mr. एवं वनचर Ms. के बीच किसी भी प्रकार की अनुकूलता एवं तालमेल नहीं हो सकता है। अतः दोनों के बीच शत्रुता की भावना रह सकती है तथा इनका अधिकांश समय आपस में लड़ने-झगड़ने, शिकवा-शिकायत, आरोप-प्रत्यारोप करने तथा परस्पर वार करने में गुजर जायेगा। इनका जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है तथा परिवार की सुख-शांति नष्ट हो सकती है। इनके बच्चे भी नाकामयाब तथा आक्रामक हो सकते हैं।

तारा

Mr. की तारा मित्र तथा Ms. की तारा विपत है। Ms. की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr. एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms. का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr. की योनि मृग है तथा Ms. की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के

बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. एवं Ms. जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. का गण राक्षस है तथा Ms. का गण मनुष्य है। अर्थात Ms. का गण Mr. के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr. से Ms. की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms. से Mr. की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr. एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms. को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms. हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी आद्य है तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान

नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Ms. की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr. और Ms. के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेंगी परन्तु परस्पर सामंजस्य स्थापित करके अनुकूल जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

Mr. की राशि का स्वामी मंगल तथा Ms. की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्र की भांति परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा तथा संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दोनों के अंदर प्रबल सामंजस्य की प्रवृति रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे एवं परस्पर कार्य कलापों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे फलतः एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा आदर का भाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन की सार्थकता तथा मधुरता बनी रहेगी।

Mr. का वश्य कीट तथा Ms. का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं वनचर में विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी विषमताताएं होंगी। तथा एक दूसरे को दाम्पत्य संबधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr. का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr. की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा Ms. पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः इनकी कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr. और Ms. की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रुप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Ms. पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Mr. की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में

वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. का जन्म आद्य तथा Ms. का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Mr. के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Mr. को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms. का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms. के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms. सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr. और Ms. को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर

सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms. को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms. भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms. को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms. उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms. के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms. के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mr. के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr. के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mr. भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Mr.

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

Ms.

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के तृतीय चरण में वृषभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर कुंभ का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपका व्यक्तित्व सामान्य तथा जीवन विखंडित है।

यद्यपि आप धार्मिक प्रवृत्ति की सुव्यवस्थित महिला हैं। आप व्यवसायिक मनोवृत्ति की प्राणी हैं। आप बैल के समान उत्तरदायीत्व निभा सकती हैं। यदि आपको कोई क्रोधित कर दे तों आपकी सहनशीलता सीमा रहित हो जाती है और आप अपनी विरोधात्मक परिस्थिति को प्रचंड प्रहार से मुक्त करा लेने की इच्छा रखती हैं।

परंतु आप ऐसी महिला हैं जो अपने घर के साज-सज्जाओं को विभिन्न प्रकार से परिवर्तित करती रहती हैं। आप किसी भी घटनाओं के प्रति अपने पति को भिन्न-भिन्न प्रकार की राय देती हैं। व्यक्तिगत रूप से आपका व्यवहार किसी को अपने वशीभूत (अधिनस्थ) रखने जैसा होता है।

बल्कि अन्य परस्पर विरोधाभास यह है कि आप लिहाज पूर्वक अपने प्रेम संबंध को बनाए रखती हैं। आप स्वयं अपने हाथ से अपने पति से छिपा कर प्रेमी को घर से बाहर उदारता पूर्वक उपहार स्वरूप आभूषण एवं वस्त्रादि प्रदान करती हैं।

आप चाहती हैं कि आपका साझीदार अन्य की अपेक्षा सुंदर और आकर्षक हो। परंतु आप दूसरी ओर विपरीत योनि के लिए सौम्यता पूर्ण ढंग से अति संवेदनशील रह कर अहंकार पूर्ण व्यवहार करती हैं। आप गुप्त रूप से प्रेम संबंध के लिए विशेष सोच-विचार बिना किए अवसर प्राप्त करती हैं। परंतु निश्चयपूर्वक इसे गुप्त रखती हैं।

परंतु आप में दो मुख्य विशेषताएं विद्यमान हैं। प्रथम तो यह है कि आप में कुछ करने की दृढ़ इच्छा शक्ति प्रबल रहती है। अन्य आप किसी भी विषय पर गंभीरता पूर्वक सोच समझकर ही उसे कार्यरूप देती हैं। जब-जब जिस-जिस विषय पर आप कार्यारंभ करती हैं। उस योजना को पूर्ण रूपेण संतुलित करके ही मात्र उसी विषय का गद्यात्मक अध्ययन कर संकल्पित हो कर कार्य रूप में व्यवहृत करते हैं। आप कभी भी अंधात्मक छलांग नही लगाती। आप निःसंदेह होकर, अपने कार्य के लिए (मधुर) अनुकूल समय निकाल कर कार्यरंभ करती हैं। जब एक बार अपने मन से कार्य हेतु निश्चय कर लेती हैं। पुनः अपनी योजना की सफलता के लिए कोई भी प्रयास करने में नहीं हिचकतीं।

प्रत्येक क्षण आपके मन में स्थायी रूप से यह विषय प्रमुखता से स्थिर रहता है। कि किस प्रकार धन प्राप्त एवं संचित किया जाए। आपके जीवन में धन और बहुत धन प्राप्ति का लक्ष्य प्रमुख है। तत्पश्चात् आप धन का बिना दुरुपयोग किए मात्र संचित करने के लिए चिंतित रहती हैं कि किस यत्न से धन का दुरूपयोग किसी भी विंदु पर या स्थिति में न हो तथा धन राशि अक्षुणण रहे। आपके समक्ष इस बात की प्रमुखता रहती है कि आप अपने अधीन या सपंर्क में रहने वालों को अपने से निकटता एवं सहानुभूति बनाए रखती हैं।

आप शारीरिक रूप से संतुलित एवं सामान्य शक्ति संपन्न, गोल मोल आकृति, चौड़ा कंधा, मोटी गर्दन एवं चमकीली आखों से युक्त सुंदर स्वरूपवान हैं। आप भौज्य प्रिय, चाटुकार (पेटू) और मसालेदार भोजन करने वाली प्राणी हैं। आपके लिए अधिक भोजन के पश्चात् शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो जाना स्वाभाविक है। आपको अति रक्त संचार, कब्जियत, नेत्र रोग, नस संबंधी गडबड़ी तथा मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित रहने की आशंका है। अतः आपके लिए सदैव नियंत्रित एवं संतुलित आहार ग्रहण करना ही अति अनुकूल है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अत्यावश्यक है कि आप छोटी-मोटी दुर्घटनाओं के प्रति सचेत रहें क्योंकि आपके लिए यह संभव है कि आपको किसी छोटी भी दुर्घटनाओं का शिकार होना पड़े। आप अत्यंत ही सुविख्यात प्राणी है, अस्तु आपसे बहुत अधिक मित्र वर्ग संबंधित रहेंगे। आपके लिए आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय संगीत, गायन, वादन नृत्य कलाकारिता संबंधी कार्य प्रतिरक्षा-विभाग या पुलिस विभाग की सेवा कार्य अनुकूल हो सकता है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए संवेदनशील अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल है। अंक 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रभावक एवं आकर्षक अंक हैं तथा यह भी स्पष्ट है कि आपके लिए अंक 5 का व्यवहार अनुपयुक्त है।

आपके लिए अति आरामदायक एवं अनुकूल रंग हरा, गुलाबी, एवं श्वेत वस्त्र हैं। आपके लिए लाल रंग का व्यवहार सर्वथा उत्तेजक एवं अनिवार्य रूप से त्यागनीय है।

अंक ज्योतिष फल

Mr.

आपका जन्म दिनांक 19 है। एक एवं नौ के योग से आपका मूलांक 1 होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ही ग्रहों का प्रभाव आप पर आयेगा। मूलांक एक के प्रभाववश आप सूर्य के समान समाज में लोकप्रिय होंगे। बहुतों का पालन करेंगे। उच्च महत्वाकांक्षाएं आपके अन्दर अधिक रहेंगी। संघर्ष, साहस एवं धैर्य से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे। जीवन में आप कई उच्च सफलताएं प्राप्त करेंगे। एकाध कार्यों में रुकावट भी आयेगी, जिसे आप सूर्य मंगल के प्रभाववश अपनी मेहनत, धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपमें अदम्य साहस रहेगा तथा आपकी हमेशा शत्रुओं को जीतने की इच्छा बलवती रहेगी। शत्रु के सामने आप हथियार नहीं डालेंगे और येन केन प्रकारेण शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। कभी-कभी आप दुःसाहस करेंगे। जिसका फल आपको ठीक नहीं मिलेगा। क्रोध से आपको हानि अधिक होगी। अतः क्रोध से हमेशा बचना आपके लिये हितकर रहेगा।

आपकी विचारधारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। जबकि स्वतंत्र प्रभार वाले कार्यों में आप तन मन धन से सेवा करेंगे और नाम तथा यश प्राप्त करेंगे। आपको अपने रोजगार-व्यापार में स्वतंत्र प्रभार वाले क्षेत्रों का चुनाव करना प्रगति में सहायक होगा। सामाजिक एवं संगठन के क्षेत्र में आप मुखिया के समान कार्य करेंगे एवं स्वयं की योजनानुसार कार्य करने पर आपको अच्छी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला जुला प्रभाव आपको उच्चता प्राप्त करायेगा।

Ms.

आपका जन्म दिनांक 16 है। एक एवं छः के योग से आपका मूलांक 7 होता है । मूलांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून होता है। अंक एक का सूर्य तथा 6 का शुक्र है । इन तीनों ग्रहों सूर्य, शुक्र, केतु या नेपच्यून का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा। मूलांक 7 के प्रभाव से आपकी अभिरुचि ललित कलाओं में रहेगी। आपको गीत-संगीत, लेखन, काव्य, चलचित्र, दूरदर्शन इत्यादि में लगाव रहेगा।

कल्पनाशक्ति आपकी काफी अच्छी रहेगी। धन संग्रह में आपको कठिनाईयां आयेंगी इससे अर्थ के क्षेत्र में आप कमी महसूस करेंगी। घूमने-फिरने की शौकीन होने के कारण आप लम्बी यात्रायें करेंगी जिनसे आपके ज्ञान में वृद्धि होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपके अन्दर काफी अच्छा रहेगा, जिससे दूसरों के विचार या बात को आप आसानी से समझ जायेंगी।

अंक एक एवं छः के स्वामी सूर्य, शुक्र ग्रह के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी, दृढ़प्रतिज्ञ, अडिग एवं सौन्दर्यबोध को समझने वाली होंगी। आप अपने जीवन में काफी संघर्ष

करेंगी, लेकिन अन्त में संघर्षों पर विजय प्राप्त करेंगी एवं सफलता अर्जित करेंगी। आपको स्वच्छता अधिक पसन्द आयेगी एवं सभी वस्तुऐं करीने से सजी हों तथा घर ऑफिस में सुन्दर बैठक हो ऐसी आपकी मनोवृत्ति रहेगी। दूरस्थ देशों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आप रोजगार-व्यापार में ऐसी लाइन का चुनाव करेंगी, जिसमें दूरस्थ देशों से निरन्तर सम्पर्क बना रहे तथा उनसे लाभ मिले। नेपच्यून, शुक्र एवं सूर्य के संयुक्त प्रभाववश आपको प्रारम्भ में संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चात् मध्य अवस्था से अन्तिम अवस्था तक उन्नति की सीढ़ियां चढ़ती चली जायेंगी।

Mr.

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Ms.

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररुप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।